हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, शनिवार 9 नवंबर 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

साहित्यकार विजय सिंह चौधरी का निधन

मण्डला। अपनी जादुई लेखनी से मण्डला जिले का पूरे भारत में नाम रोशन करने वाले मूर्धन्य साहित्यकार विजय सिंह चौधरी 'चाचा' का कल दिनांक 8 नवम्बर 24 को प्रातः 5 बजे देवलोक गमन हो गया है। चाचा जी का जन्म विजयादशमी 8 अक्टूबर 1943को झुरकी, जिला सिवनी (म.प्र.) में हुआ था। उनकी प्रमुख कृतियाँ टॉफी का झोला (बाल गीत संग्रह), खिचड़ी (सर्व विधा संग्रह), आदर्श घड़ी शिक्षा (तकनीकी साहित्य), चटनी बुंदेलखंड की (बुंदेली साहित्य), प्रायोगिक दोहावली, शवयात्रा (अकविता), गीतगंगा, गजल से हजल तक आदि हैं एवं 1000 कुंडलियों का संग्रह प्रकाशनाधीन है। चाचा जी को भारती भूषण सम्मान-(राष्ट्रीय राजभाषा पीठ- इलाहाबाद), कबीर सम्मान-(साहित्यिक सांस्कृतिक कला - संगम अकादमी परियावाँ, प्रतापगढ़), साहित्य मनीषी सम्मान - (म.प्र. नवलेखन संघ, भोपाल), विशिष्ट साहित्य सेवा सम्मान (साहित्य संगम - तिरोड़ी, बालाघाट), काव्य कौस्तुभ-(अखिल भारतीय साहित्य संगम - उदयपुर, आयड़) काका हाथरसी राष्ट्रीय शिखर सम्मान(भारतीय साहित्यकार संसद- समस्तीपुर, बिहार)प्राप्त हो चुके हैं। उनके ब्रह्मलीन हो जाने से साहित्य जगत को अपूर्णीय क्षति पहुँची है।

पीएम श्री हाईस्कूल सेमरखापा हुआ गणित शिक्षक विहीन

मण्डला जिले में शिक्षा व्यवस्था का पतन

*** जनप्रतिनिधियों की चुप्पी**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले की शिक्षा व्यवस्था इन दिनों न केवल चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना कर रही है, बल्कि यह पूरी तरह से तहस-नहस होती जा रही है। हालांकि, जिले के जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी इस संकट को लेकर चुप्पी साधे हुए हैं, जिससे यह सवाल उठता है कि क्या इन अधिकारियों और नेताओं को जिले के छात्रों के भविष्य की चिंता नहीं है? जिले में शिक्षा व्यवस्था की बदहाली की जो स्थिति बन चुकी है, उसके लिए न केवल राज्य सरकार जिम्मेदार है, बल्कि जिम्मेदार अधिकारी भी अपनी जिम्मेदारी से पीछे हटते दिख रहे हैं।

सहायक आयुक्त का रवैया

हाल ही में, सहायक डॉ. संतोष शुक्ला ने जनजाति कार्य विभाग के सहायक आयुक्त के रूप में अपनी जिम्मेदारी संभाली है, लेकिन उनके आने के बाद से जिले के शासकीय स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था में कोई सुधार देखने को नहीं मिला, बल्कि स्थिति और बिगड़ी है। डॉ. शुक्ला का पुराना रवैया अब फिर से सक्रिय हो गया है, और उनके कार्यों से यह प्रतीत होता है कि उन्हें जिले में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने से अधिक अपने व्यक्तिगत लाभों की अधिक चिंता है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले के स्कूलों में शिक्षकों की कमी का सामना करते हुए भी, कुछ खास विद्यालयों में शिक्षकों को मनमाफिक तरीके से ट्रांसफर किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य केवल शिक्षकों से 'नजराने' की व्यवस्था प्राप्त करना प्रतीत हो रहा है। शिक्षकों के ट्रांसफर की इस प्रक्रिया से न केवल बच्चों का भविष्य खतरे में पड़ा है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की बुनियाद भी कमजोर हो रही है।

जिले के शैक्षिक संस्थानों की दयनीय स्थिति

उदाहरण के तौर पर, एकीकृत पीएमश्री हाईस्कूल सेमरखापा जो की विशिष्ट संस्थाओं में आती है गणित शिक्षक का हाल ही में ट्रांसफर कर शिक्षक को उनके घर के समीप वाली संस्था में पदस्थ कर दिया गया, जबकि वहां गणित का शिक्षक पूर्व से ही पदस्थ है जिसके बाद पीएम श्री स्कूल में गणित पढ़ाने के लिए कोई शिक्षक नहीं बचा। यह स्थिति स्कूल के बच्चों के लिए बेहद चिंताजनक है, क्योंकि गणित जैसे महत्वपूर्ण विषय में शिक्षा की कमी से उनकी शैक्षिक गुणवत्ता पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। इस प्रकार के निर्णय से यह साफ प्रतीत होता है कि शैक्षिक गुणवत्ता के बजाय, सिर्फ व्यक्तिगत आर्थिक लाभ और राजनीतिक जोड़-तोड़ को प्राथमिकता दी जा रही है।

इसी प्रकार, सेमरखापा माध्यमिक विद्यालय की स्थिति भी दयनीय है। जहां लगभग 177 छात्रों की दर्ज संख्या है, वहां से कतिपय शिक्षकों को राजीव कालोनी एवं देवदरा के विद्यालय में संलग्न/ट्रांसफर कर दिया गया। इसके परिणामस्वरूप, राजीव कालोनी विद्यालय में जहां पहले से दर्ज के अनुपात पर्याप्त शिक्षक पदस्थ थे, किन्तु इसके बाद 2-3 शिक्षकों की पदस्थापना किया जाना क्या औचित्य था? जबकि पीएम श्री हाई स्कूल सेमरखापा में 100 के ऊपर की दर्ज संख्या है यह सब पद स्थापना किन कारणों से किया जा रहा है? आम लोग जानना चाहते हैं यह स्पष्ट रूप से बताता है कि यहां पर शिक्षा की गुणवत्ता की बजाय, राजनीतिक प्रभाव और अधिकारियों के निजी हितों का ज्यादा ध्यान रखा जा रहा है।

शिक्षकों की मनमानी पदस्थापना

इसी तरह, प्राथमिक शाला भंडारताल कठोतिया से एक शिक्षक को उनके मनमाफिक स्कूल पैजवारा (टिकरिया) में पदस्थ कर दिया गया। यह भी एक उदाहरण है, जहां शैक्षिक गुणवत्ता से अधिक शिक्षक की पदस्थापना के दौरान उनके व्यक्तिगत पक्ष को ध्यान में रखा गया। जब इस प्रकार के मनमाने निर्णय लिए जा रहे हों, तो यह सवाल उठता है कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा कैसे मिलेगी?

वर्तमान में जिले के जनप्रतिनिधि, जो अपने आप को शिक्षा और समाज के सुधारक होने का दावा करते हैं, उनकी चुप्पी इस बात को साबित करती है कि उन्हें शिक्षा की स्थिति पर एवं गरीब आदिवासी बच्चों की कोई विशेष चिंता नहीं है। जिले की शिक्षा व्यवस्था को लेकर कोई ठोस कदम उठाने की बजाय, वे बस मौन साधे हुए हैं। यह स्थिति इस बात को भी उजागर करती है कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन की प्राथमिकता में शिक्षा सुधार कहीं दिखाई नहीं दे रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे इस अनियंत्रित भ्रष्टाचार और मनमाने फैसलों का खामियाजा जिले के छात्रों को भुगतना पड़ेगा, जो अपनी उज्जवल भविष्य की राह पर चलने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

अंग्रेजी माध्यम स्कूलों का दबाव

जिले में शिक्षा व्यवस्था की इस दयनीय स्थिति के बावजूद, अंग्रेजी माध्यम स्कूलों का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। यह दबाव सरकारी स्कूलों को पूरी तरह से नष्ट करने की दिशा में काम कर रहा है। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी और शिक्षा की गुणवत्ता में गिरावट के कारण माता-पिता को मजबूरी में निजी स्कूलों में अपने बच्चों को भेजने के लिए विवश होना पड़ता है। हालांकि, सरकारी स्कूलों की तुलना में इन निजी स्कूलों की फीस बहुत अधिक होती है, जो गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए एक बड़ा आर्थिक बोझ बन जाती है।

मण्डला जिले में शिक्षा व्यवस्था की यह स्थिति न केवल प्रशासन की निष्क्रियता का परिणाम है, बल्कि यह इस बात का भी संकेत है कि शिक्षा को लेकर राज्य और केंद्र सरकार के पास कोई ठोस रणनीति नहीं है। यदि इस स्थिति में शीघ्र सुधार नहीं किया गया, तो जिले के हजारों बच्चों का भविष्य खतरे में पड़ सकता है। जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए इस मुद्दे पर जल्द से जल्द कोई ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है, ताकि जिले में शिक्षा का स्तर सुधर सके और बच्चों को उनके भविष्य के लिए सही दिशा मिल सके।

इनका कहना है :-

अगर सहायक आयुक्त द्वारा जिले मे शैक्षणिक व्यवस्था सुधारने के लिए शिक्षकों को संलग्न या ट्रांसफर किया गया है। इसपर समिति को कोई आपत्ती नही है अगर इसके स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था गड़बड़ा रही है तो जल्द जिला समिति की बैठक आयोजित कर बड़ा निर्णय लेकर कार्यवाही की जावेगी।

-इंजी. कमलेश तेकाम,
उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष स्थाई शिक्षा समिति जिला पंचायत, मण्डला

मण्डला जिले में 14 और 15 नवंबर को गौरव दिवस मनाया जाएगा

*** गौरव दिवस में वीरनायकों की गौरव गाथा, खेल प्रतियोगिता, गोंड़ी पेंटिंग और लोक नृत्य आयोजित होंगे।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि 14 और 15 नवंबर को मंडला जिले में दो दिवसीय गौरव दिवस मनाया जाएगा। गौरव दिवस के अवसर पर जिले में वीर नायकों की गौरव गाथा, खेल प्रतियोगिता, गोंडी पेंटिंग एवं लोकनृत्यों का आयोजन किया जाएगा। गौरव दिवस कार्यक्रम में विभागों के द्वारा शासन की योजनाओं और उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा सोमवार को जिला योजना भवन में आयोजित बैठक में मंडला गौरव दिवस कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमित वर्मा, संयुक्त कलेक्टर अरविंद सिंह, एसडीएम घुघरी श्री सीएल वर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर ने कहा कि गौरव दिवस कार्यक्रम में मिलेट फेस्टिवल, रोड शो और शासन की योजनाओं और उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएंगी। नुक्कड़-नाटक का आयोजन कर शासन की योजनाओं के बारे में बताया जाएगा। गौरव दिवस के कार्यक्रम में मंडला जिले की लोक संस्कृति, लोकगीत और लोकनृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे। गौरव दिवस के अवसर पर नर्मदा नदी के घाटों की साफ-सफाई व रंग रोगन कर उनका सौन्दर्यीकरण किया जाएगा। इस कार्य में जिले के जनप्रतिनिधि, विभाग, एनजीओ, जन अभियान परिषद, व्यापारी संघ तथा जिले के नागरिकों को शामिल किया जाएगा। मंडला जिले के परंपरागत खेल पर आधारित जनजाति मंडला ओलम्पिक का आयोजन किया जाएगा। मंडला जिले के स्थानीय खेल खोखो, रस्साकसी, गिल्ली डंडा इत्यादि को शामिल किया जाएगा। गौरव दिवस के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन और मंडला जिले की भौगोलिक स्थिति, ऐतिहासिक महत्व के स्थल, संस्कृति, रीति रिवाज एवं परंपराओं पर आधारित कार्यक्रम होंगे।

महिष्मति घाट में पंचचौकी महाआरती 12 नवंबर से प्रारंभ होगी

कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने कहा कि देवउठनी एकादशी 12 नवंबर से महिष्मति घाट माँ नर्मदा नदी में पंचचौकी महाआरती का प्रारंभ किया जाएगा। यह महाआरती प्रतिदिन सायंकाल 6 बजे से आयोजित होगी। महाआरती आयोजन और व्यवस्था के लिए एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम को नोडल आधिकारी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि पंचचौकी महाआरती के आयोजन के लिए ट्रस्ट का निर्माण कर खाता खोला गया है। ट्रस्ट द्वारा खोले गए खाते में कोई भी नागरिक दान स्वरूप राशि जमा कर सकता है। उक्त राशि पंचचौकी महाआरती आयोजन में व्यय की जाएगी। उन्होंने बताया कि पंचचौकी महाआरती में जिले के सभी जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, श्रद्धालु और नागरिक शामिल हो सकेंगे। उन्होंने आयोजित बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि पंचचौकी महाआरती ट्रस्ट के बैंक खाते में अपनी स्वेच्छानुसार राशि दान कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शिविर 9 से 12 नैनपुर क्षेत्र एवं 14 से 16 निवारी क्षेत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

नवीनीकरण ऊर्जा मंत्रालय केन्द्र शासन द्वारा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना संचालित की जा रही है। इसका लक्ष्य भारत में एक करोड़ परिवारों को मुफ्त बिजली प्रदान करना है। हितग्राही अपने घरों के छत पर सौर बिजली इकाई स्थापित करने का विकल्प चुनते हैं। परिवारों को हर महिने सोलर से 300 यूनिट बिजली मुफ्त मिल सकेगी।

इसका क्रियान्वयन मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी द्वारा भी अपने कार्य क्षेत्रांतर्गत जबलपुर, रीवा, सागर, शहडोल में किया जा रहा है। सहायक अभियंता पल्लव स्वर्णकार और कनिष्ठ अभियंता अशोक धुर्वे ने बताया कि नैनपुर शहरी क्षेत्रों के लिए 9व 12 नवंबर को निवारी बिजली घर व 14 एवं 16 को ग्रामीण क्षेत्रों के लिए उपभोक्ताओं के लिए शिविर आयोजित किया जा रहा है इस योजना के तहत ऑनग्रिड सोलर पैनल लगाना उचित होगा एवं 0 से 150 यूनिट की मासिक खपत के लिए आवश्यक सोलर प्लांट की क्षमता एक से दो किलोवाट, 150 से 300 यूनिट मासिक खपत के लिए दो से तीन किलोवाट एवं 300 से अधिक मासिक खपत के लिए 3 किलोवाट से अधिक क्षमता के सोलर प्लांट लगाना उचित होगा।

केवल ऑनग्रिड सिस्टम पर सब्सिडी मिलेगी। इस योजना के तहत कितनी केन्द्रीय वित्तीय सहायता- सीएफए मिलती है-योजना के तहत सरकार सोलर पैनल लगाने पर केन्द्रीय वित्तीय सहायता सीएफए प्रदान करती है। एक केडब्ल्यू सोलर पैनल पर 30 हजार रुपये की सब्सिडी, दो केडब्ल्यू सोलर पैनल पर 60 हजार रुपये की सब्सिडी और 3 केडब्ल्यूडी या उससे अधिक सोलर पैनल पर 78 हजार रुपये की सब्सिडी सरकार द्वारा सीधे उपभोक्ताओं के बैंक खाते में प्रदान की जा रही है। योजना में पंजीयन कैसे करें योजना का लाभ लेने के लिए हितग्राही को पंजीयन के लिए प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की अधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा। इसके बाद पंजीकरण फार्म भरना होगा और आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होंगे। इसके पश्चात आवेदन जमा कर स्वीकृति प्राप्त करें। स्वीकृत वेंडर से सम्पर्क करें और सोलर पैनल की स्थापना का शेड्यूल बनायें। स्थापना और सत्यापन के बाद सब्सिडी की राशि भारत सरकार द्वारा सीधे आपके बैंक खाते में जमा कर दी जायेगी। इसके अलावा उपभोक्ता मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के स्मार्ट बिजली पोर्टल या एप के माध्यम से भी आवेदन कर सकते हैं। योजना के लिए आवेदन करने की पात्रता-इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन भारतीय नागरिक होना जारूरी है। सोलर पैनल लगाने के लिए उपयुक्त छत वाला घर होना चाहिये। परिवार के पास वैद्य बिजली कनेक्शन होना चाहिये और परिवार ने सौर पैनलों के लिए किसी अन्य सब्सिडी का लाभ नहीं उठाया हो, पात्र होंगे।

प्रधानमंत्री की महात्वाकांक्षी योजना जनऔषधि केंद्र का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसायटी मर्यादित बिछिया में शुक्रवार को प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पूर्व जनपद अध्यक्ष जोश सिंह ठाकुर, पूर्व विधायक झल्लू लाल तेकाम ,पूर्व जनपद अध्यक्ष बृजेंद्र सिंह कोकड़िया, पूर्व मंडी अध्यक्ष सुनील नामदेव, समाजसेवी सुनील गर्ग, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मण्डला के महाप्रबंधक एल एन कोरी ने फीता काटकर बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित बिछिया में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महात्वाकांक्षी योजना जन औषधि केंद्र का उद्घाटन किया। इस केंद्र से उच्च गुणवत्ता की सस्ती दवाइयां सुलभ होंगी। अतिथियों का स्वागत समिति प्रबंधक शिल्पी रावत ने किया। इस अवसर पर उत्तम अग्रवाल, आर के श्रीवास, राजेन्द्र रावत, श्री नागेश्वर, दिलिप कटारिया, सहकारी बैंक प्रबंधक आर आर पन्द्रो, समिति प्रशासक नीतेन्द्र तेकाम, सहा. प्रबंधक प्रदीप लोध सहित समिति के समस्त कर्मचारी, नागरिक उपस्थित थे।

समीक्षा | **उन्नत ग्राम अभियान और वनाधिकार अधिनियम अंतर्गत वन ग्रामों में सामुदायिक पट्टे वितरण की समीक्षा।**

अंतर्गत जनजातीय क्षेत्रों में विकास के कार्य

*** समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिये निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री उन्नत ग्राम अभियान के अंतर्गत मंडला जिले के 716 जनजाति क्षेत्रों के गांवों के विकास हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सड़क, बिजली, पानी और आजीविका के क्षेत्रों को बढ़ावा दिया जाएगा। इस अभियान के तहत जनजाति क्षेत्रों के गांवों में विकास और उन्नति के कार्य किए जाएंगे। जनजाति क्षेत्रों के गांवों को पीएम गति शक्ति पोर्टल पर मैप कराना होगा। उन्होंने सभी विभाग प्रमुख अधिकारियों को प्रधानमंत्री उन्नत ग्राम अभियान योजना के अंतर्गत निर्धारित समय सीमा में प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा शुक्रवार को जिला योजना भवन में प्रधानमंत्री जनजाति उन्नत ग्राम अभियान की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमित वर्मा, संयुक्त कलेक्टर श्री अरविंद कुमार सिंह, एसडीएम घुघरी श्री सीएल वर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि इस अभियान के अंतर्गत जनजाति क्षेत्रों में बहुउद्देश्यीय विपणन केन्द्र बनाए जाएंगे। जनजाति क्षेत्रों के आवासीय विद्यालयों में सुधार किया जाएगा। स्वास्थ्य केन्द्र बनाए जाएंगे। जनजाति क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होम स्टे बनाए जाएंगे। जनजाति क्षेत्रों में आंगनवाड़ी केन्द्र, आयुष्मान कार्ड, छात्रावास, आश्रम शाला, बिजली, पानी, सड़क, जल जीवन मिशन, पोषण वाटिका का निर्माण व प्रबंध किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अभियान में केन्द्र सरकार के 17 मंत्रालय/विभाग अपनी सेवाओं/सुविधाओं से जनजातीय समुदाय को जोड़कर इनके विकास में अतिरिक्त सक्रियता से कार्य किए जाएंगे। इस अभियान में ग्रामीण विकास, जलशक्ति, विद्युत, नवीन और नवकरणीय ऊर्जा, लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, महिला और बाल विकास, शिक्षा, आयुष, कौशल विकास और उद्यमिता, इलेक्ट्रानिक्स विकास और सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि और किसान कल्याण, पंचायती राज, पर्यटन तथा जनजातीय कार्य मंत्रालय सहित दूरसंचार, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी विभाग को अपनी विभागीय सेवायें देने शामिल किया गया है।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने आयोजित बैठक में वनाधिकार अधिनियम के अंतर्गत वन ग्रामों में सामुदायिक पट्टों के वितरण कार्यक्रम की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिले के प्रत्येक वनग्रामों के लिए सामुदायिक वनाधिकार पट्टे जारी करने की कार्यवाही की जाए। जिससे वन क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों को शमशान घाट, हाट बाजार, रास्ते, गोठान, खेल के मैदान, चारागाह जैसे सार्वजनिक स्थानों के लिए सामुदायिक पट्टे जारी किए जा सकें। उन्होंने कहा कि इसके लिए विभागीय अमला, पटवारी, बीडगार्ड सहित निर्धारित प्रस्ताव ग्राम पंचायत में जमा करें। जिससे इसके बाद वनाधिकार सामुदायिक पट्टे वितरण के संबंध में अग्रिम कार्यवाही की जा सके। उन्होंने कहा कि सामुदायिक वनाधिकार पट्टे के संबंध में कितने आवेदन प्राप्त हुए इस संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। जिन स्थानों में वनाधिकार अधिनियम के तहत सामुदायिक पट्टों के आवेदन पत्र प्राप्त नहीं हुए हैं, ऐसे वन ग्रामों से आवेदन पत्र आमंत्रित कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि वनाधिकार अधिनियम अंतर्गत वनग्रामों में सामुदायिक पट्टे वितरण का कार्यक्रम विधिवत रूप से संपन्न कराया जाए। उक्त कार्य में लापरवाही बरतने पर अधिकारियों के विरूद्ध निलंबन की कार्यवाही की जाएगी।

अपराजिता अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का सफ़ल आयोजन

*** पीएम श्री एकीकृत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घोंटा विकास खण्ड मवई में किया गया।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

जिले में सक्षम बेटी सक्षम मंडला बनाने के उद्देश्य से अपराजिता अभियान के तहत पीएम श्री एकीकृत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घोंटा विकासखण्ड मवई में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, यह आयोजन जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा जिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक मण्डला एवं जिला महिला बाल विकास अधिकारी मण्डला के मार्गदर्शन में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बच्चों को विकट परिस्थितियों से बचने के लिए आत्मरक्षा गुड टच बेड टच साइबर क्राइम और अन्य सुरक्षा संबंधित जानकारी प्रदान करना था कार्यशाला में संस्था से कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों को सम्मिलित किया गया इस दौरान बच्चों को आत्म रक्षा के तरीके एवं साइबर क्राइम से बचाव के उपाय के बारे में जानकारी दी गई विशेष रूप से प्रशिक्षक रिकी राम मार्को सहायक प्रशिक्षक रामनाथ धुर्वे और पुलिस आरक्षक मयंक धुर्वे बैच नंबर 19 मोतीनाला द्वारा कराते आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया इस कार्यक्रम में संस्था प्रमुख एस धुर्वे , राम भाऊ बघेल राकेश दास बिंझिया , दलसिंह सैयाम, गौतम बघेल, श्रीमती गिरजा ताराम, सुखलाल यादव एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

तालाब के पास खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि लगातार चढ़ रही अतिक्रमण की भेंट

गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि जब लोगों को कही शासकीय खाली पड़ी हुई भूमि नजर आती है तो वह उस पर अपनी छोटी छोटी टपरिया बनाते हुए उस पर कब्जा करना शुरू कर देते है, मगर प्रशासन द्वारा इस प्रकार से शुरूआती तौर के कब्जे को नजर अदांज किये जाने का परिणाम यह होता है कि जहां शासकीय भूमि गायब हो जाती है और जब उस अतिक्रमण को हटाने का प्रयास किया जाता है तो फिर काफी समय बीत चुका होता है जिसके चलते अतिक्रमणकारियों का बचाव करने के लिए अनेक प्रभावशाली लोग खड़े हुये नजर आने लगते है इस स्थिति में प्रशासन शासकीय भूमियों को खाली कराने में अपने हाथ डालने में असफल होने लगता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर के कालेज के समीप वायपास मार्ग तालाब के किनारे खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि पर लगातार अतिक्रमण होते हुये देखा जा रहा है, मगर प्रशासन द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि अतिक्रमणकारी रातो रात इस भूमि को अपने कब्जे में लेते हुए वहां पर अपनी दुकाने खड़ी करने से नही चूक रहे है, इस प्रकार से अतिक्रमण की भेंट चड़ रही इस भूमि के चलते जहां तालाब की सुन्दरता को ग्रहण तो लग ही रहा है साथ ही साथ यातायात में भी लोगों को परेशानियों का सामना करते हुए देखा जा रहा है, यदि प्रशासन द्वारा समय रहते हुये इस ओर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित ही यह भूमि चंद दिनों में परेशानी का कारण बनने से नही चूक पायेगी?

बालश्रम कानून का कागजों पर हो रहा है पालन, प्रशासन की अनदेखी के चलते आग की भट्टी के सामने काम करने की मजबूरी

सांईखेड़ा। शासन द्वारा बाल मजदूरी रोकने जारी निर्देशो का पालन कराने मे जहां जिला प्रशासन नाकाम हो रहा है वही बाल श्रमिकों के उत्थान हेतु चलाई जा रही योजनाओं का लाभ भी संबंधितों को नही मिल पा रहा है? जबकि पूर्व मे कारखाना अधिनियम 1948, खदान अधिनियम 1952 जहाज अधिनियम 1958, वृक्षारोपण अधिनियम 1961 तथा मोटर परिवहन श्रम अधिनियम के अंतर्गत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी प्रकार के कारखानों एवं खदानों, मोटर यातायात आदि पर काम मे लगाना वर्जित है, वही हर वर्ष एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है, मगर आजादी के बाद भी बाल श्रमिकों की किसी भी श्रमिक संगठन को याद नही आई, जिन बच्चों के हाथ मे किताब कापी होना चाहिए उन्हे पेट भरने के लिए कचरा बीनना, सिर पर लकड़ी का गट्ठा ढोना, होटलो मे कम प्लेट धोना आदि नियति बन चुकी है, क्षेत्र में देखा जावे तो तमाम बाल श्रमिकों की तादात लगातार बढती जा रही है। इसके बावजूद भी जिले के श्रमिक कार्यालयो में बच्चों के सही आंकड़ तक मौजूद नही है। गरीबी व अज्ञानता के चलते आज भी क्षेत्र के हजारों बच्चों का स्कूलों से नाता जुड़ नही पाया है, उन्हे दो वक्त की रोटी जुटाने के लिए स्वयं कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है, शासन द्वारा जहां साक्षरता का अलख जगाने के लिए गांव गांव मे स्कूल खोले गये है जहां पर उन्हें स्कूली डेरस के साथ साथ भोजन पुस्तको सहित अन्य सामग्री प्रदान की जा रही है तथा बच्चों को मेहनत मजदूरी से अलग रखा गया है फिर भी गरीबी के चलते बच्चे सरस्वती के वरदान से वंचित दिखाई पड़ रहे है। ग्रामीण अंचलों मे भोर मे उठना कुल्हाड़ी लेकर जंगल जाना लकड़ी काटना, भैस, गाय, बकरी चराना और रूपये कमाना जिंदगी बन गई है, शासन द्वारा करोडो की योजनाओं के बाद भी इन बेसहारा बच्चों के रहन सहन मे कोई बदलाब नही आ सका, इनका भविष्य अंधकार मय होता जा रहा है। गरीबी और भुखमरी के चलते इन बच्चों के माता पिता चाह कर भी शिक्षा दीक्षा न दिलाकर मजदूरी करवाने को विवश है? क्या करे गरीबी अभिशाप बन गई है बच्चों का सहारा लेना जरूरी भी और मजबूरी भी बन गया है।

ग्राम भटेरा के पास बाघ होने की खबर से क्षेत्र में फैली दहशत, गाय का शिकार किये जाने की सूचना मिलने के बाद वन विभाग सहित पुलिस व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों का अमला पहुंचा मौके पर खेतों में पाये गये पग चिन्हों से वन विभाग द्वारा बाघ की मौजूदगी की पुष्टी..

गाडरवारा। *समीपस्थ पलोहा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम भटेरा के पास सनसनी का महौल उस समय निर्मित हो गया जब गांव के लोगों ने पास के ही राहर के खेत में गांव का शव क्षत विक्षत स्थिति में पाये जाने के साथ साथ राहर के खेत में उसे घसीटे जाने से खेते में लगी हुई राहर के पेड़ों के पत्तों में खून के निशान देखे जाने से जहां लोगों में सनसनी का महौल निर्मित होने से नही चूक पाया तो दूसरी ओर जिन खेतों में सिंचाई होने के चलते खेत की मिट्टी जिन जगह गीली थी उस जगह जंगली जानवार के पैरों के निशान पाये जाने से यह बात तो निश्चित रूप से स्पष्ट हो चुकी थी कि गाय का शिकायत किसी जंगली जानवर द्वारा किया गया है। इस तरह घटना की खबर संपूर्ण क्षेत्र में आग की तरह फैलने के चलते सनसनी का महौल निर्मित होने से नही चूक पाया तो दूसरी ओर जानकारी मिलते ही गाडरवारा वन विभाग सहित पलोहा पुलिस के आलवा प्रशासन के अन्य अधिकारियों का अमला भी मौके पर पहुंचकर जंगली जानवर की खोजबीन में जुटा हुआ देखा जा रहा है। बताया जाता है कि पलोहा पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले ग्राम भटेरा निवासी लाल साहब लोधी का मकान गांव के पास ही बना हुआ है जिसके चलते गुरूवार शुक्रवार की दरम्यानी रात किसी जंगली जानकारी द्वारा उसकी गाय को अपना शिकार बनाया गया है। इस तरह घटना स्थल के आस पास राहर के पेड़ो में दिखाई दे रहे खून निशान तथा जिस स्थिति में गाय के शरीर का अगला भाग क्षत विक्षत स्थिति में दिखाई दे रहा है तथा गाय को घसीटे जाने के पाये गये निशानों से यह अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि क्षेत्र में बाघ के द्वारा ही गाय का शिकार किया गया है। वही दूसरी ओर खेतों में पाये गये पग चिन्हों का वन विभाग द्वारा द्वारा निरीक्षण करते हुये बात स्पष्ट की गई है कि यह निशान शेर के पैरों के ही है? ज्ञात हो कि कुछ दिनों पहले साईखेड़ा के समीप यानि की रायसेन जले के ग्राम बौरास के पास भी रात के समय खेतों में शेर को देखे जाने की चर्चाये सुनाई देने के साथ साथ लोगों द्वारा अपने मोबाईल फोनों से बनाये गये विडियों भी सोशल मीडिया पर लगातार वायरल होते हुये देखे जा रहे थें? इसी बात को ध्यान में रखते हुये अनुमान लगाया जा रहा है कि शायद वही शेर नर्मदा किनारे किनारे चलते हुये अब समीपस्थ भटेरा क्षेत्र में पहुंच गया है जिसने गाय का शिकार किया गया है? इस संबंध में जब गाडरवारा वन विभाग के अधिकारी अरविंद अहिरवार से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि हमे सूचना मिली थी कि भटेरा गांव के पास किसी जंगली जानवर द्वारा एक गाय का शिकार किया गया है तो हमारी टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर देखा गया तो गांव के पास खेत में गाय का शव जिस हाल में पाया गया है वह निश्चित तौर से जंगली जानवार के द्वारा शिकार किया गया है। ग्राम भूटेरा, कारजू नगर व आस पास के गांवों में तथा नर्मदा किनारे बाघर की उपिस्थिति के प्रमाण मिले है। वही वहां के खेतों में जिस तरह पग चिन्ह पाये गये है वह भी जंगली जानवार यानि की बाघ के ही है? मगर हमारी टीम द्वारा लगातार संपूर्ण क्षेत्र में खोजबीन की जा रही है तो उसका कही कोई पता नही चल पाया है। इस स्थिति के चलते यह बात नही कही जा सकती है कि वर्तमान समय में वह कहा है..? मगर जिस तरह गाय का शिकार होने के साथ साथ पग चन्ह पाये गये है उससे यह बात तो स्पष्ट है कि बाघ यहां पर आया हुआ था। वन विभाग की टीम मौके पर तैनात होकर लगातार उसकी खोजबीन की जा रही है तथा ड्रोन केमरे के माध्यम से भी झाड़ियों वाली जगहों पर खोज कि जा रही है। मगर अभी तक कोई पता नही चल पाया है हो सकता है कि वह आगे की ओर निकल गया होगा..? खेतों पर निवास करने वाले लोगों सहित आमजन को हमारी ओर से लगातार सचेत किया जा रहा है कि वह खेतों में अकेले जन जावे तथा अपने पशुओं को सुरक्षा के साथ रखे। वही खेतों में काम करने के दौरान भी पूरी सावधानी रखी जावे। वन विभाग द्वारा क्षेत्र के लोगों को लगातार सतर्क किया जा रहा है तथा गांवों में इसकी मुनादी भी कराई जा रही है। इस तरह ग्राम भटेरा के पास बाघ होने की खबर के चलते क्षेत्र में दहशत का महौल देखने मिल रहा है। क्योंकि इस समय जहां किसानों के खेतों में काम लगे हुये है तो दूसरी ओर अनेक किसान अपने खेतों में घर बनाकर निवास करने के साथ साथ अपने पालतु पशुओं को भी खेतों पर रखते है जिसके चलते सबसे अधिक दहशत में खेतों में निवास करने वाले लोगों में देखने मिल रही है? क्योंकि बीते हुये कुछ दिनों से समीपस्थ रायसेन जिले के नर्मदा तट से लगे हुये गांवों में जंगली बाघ होने की खबरे सुनाई देने के कारण सोशल मीडिया पर भी बाघ की विडियों वायरल होते हुये देखे जा रहे थें। इसी बात को लेकर अनुमान लगाया जा रहा है कि शायद वही बाघर अब नर्मदा किनारे चलते चलते यहां तक पहुंच गया होगा..? क्योंकि जंगल क्षेत्र में पानी की कमी होने के कारण वह नर्मदा किनारे पानी के चलते आगे की ओर बड़ रहा है। वही दूसरी ओर लोगों का कहना है कि यदि यह बाघ कुछ कुछ दिनों तक यहां पर इसी तरह निवास बना रहा तो किसानों को खेतों में काम करना मुश्किल हो जावेगा। वही दूसरी ओर यदि भटेरा से पूर्व की ओर आगे बढ़ा तो निश्चित तौर से यहां से मात्र चंद किलो मीटर दूरी नर्मदा किनारे बसे हुये ग्राम भूमिया ढाना, पिठहरा घघरौला खुर्द पहुंच गया तो यहां पर जो टोरिया स्थित है वहां पर आशियाना बनाने से नही चूकेगा..? क्योंकि इस टोरियाँ में जहां जंगली सुअर होने के साथ साथ भारी मात्रा में हिरण के आलवा आवास के गांवों के पालतू मवेशी चरने के लिये जाते है तो चंद कदम दूरी पर माँ नर्मदा जी होने के कारण बाघ के लिये खाने के लिये पर्याप्त मात्रा में शिकार व पीने के लिये चंद कदम दूरी पर स्थत नर्मदा जी का पानी मिल के चलते यहां पर डेरा जमाये जाने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..?*

सीवरेज लाईन के निर्माण कार्य करने वाली कंपनी के मनमानी का परिणाम भोगने के लिये धूनी नगरी निवासी हो रहे मजबूर

सांईखेड़ा। दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा की सड़के जिस प्रकार से बदहाल स्थिति में पहुंच चुकी है उसको लेकर नगर के जनप्रतिनिधियों से लेकर जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी निश्चित तौरे से अनेक प्रकार के सबाल खड़े करते हुये जान पड़ रही है? यदि दादा धूनी वालों की नगरी साइखड़ा क अतगत आन वाल 15 वार्डो के अंदर भ्रमण करते हुये देखा जावे तो यहां की सड़को की हालत आज से 20 वर्ष पहले दुर्गम स्थिति के गांवों से भी खराब दिखाई देने से नही चूक पा रही है। हालत इस तरह बनी है कि लोग जहां अपने घरों से वाहन नही निकाल पा रहे है तो दूसरी ओर मासूम बच्चों का अपने स्थलों तक पहुंचना मुश्किल हो रहा है। क्योंकि नगर के अंदर टूटी हुई सड़को पर फैली हुई कीचड़ के बीच लोगों का निकलना मुश्किल हो चुका है। बताया जाता है कि कुछ वर्ष पहले नगर में नर्मदा जल लाने की योजना के तहत सीवरेज कार्य करने के लिये दूसरे प्रांत की कंपनी द्वारा इस कार्य को अंजाम देने के लिये बीते हुये नगर परिषद के पंच वार्षिय कार्य काल में बनी हुई पक्की सड़को की खुदाई करते हुये उनके अंदर पाईप लाईन डालने का कार्य किया गया है। मगर निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा उन खोदी गई सड़को का किसी भी तरह से सुधार नही किये जाने के कारण जहां संपूर्ण नगर में गंदगी व कीचड का साम्राज्य फैला हुआ है तो दूसरी ओर सीवरेज कार्य करने वाली कंपनी द्वारा जिस अवधि के दौरान इस कार्य को पूर्ण किया जाना था वह अवधि भी लगभग तीन वर्ष पहले निकल जाने के बाद भी निर्माण कार्य आज भी अनेक जगहों पर खोदकर छोड़ी गई सड़को सहित अन्य जगहो पर निर्माण कार्य अधूरा पड़ा होने से नगरवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है? मगर बडे ही हैरत की बात है कि निर्माण कार्य करने वाली कंपनी की मनमानी को लगातार मिडिया द्वारा उजागर किये जाने के बाद भी यहां के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों से लेकर अधिकारियों द्वारा जिस तरह चुप्पी साधी जा रही है वह निश्चित तौर से अनेक शंकाओं को जन्म देने से नही चूक पा रही है तो दूसरी ओर मनमानी करने वाली कंपनी को यह जिम्मेदारों की भूमिका संरक्षण की मुद्रा में प्रतीत होते हुये दिखाई देने लगी है? इस प्रकार से करोड़ो की लागत से स्थापित की जाने वाले योजना को कार्य पूर्ण चार वर्ष पहले यानि की 2 दिसंबर 2020 को हो जाना था।

मगर निर्माण कार्य करने वाली कंपनी की धीमी गति के चलते आज भी कार्य पूर्णता की ओर नही पहुंच पाया है तो दूसरी ओर नियम के अनुसार जब किसी संस्था द्वारा शहर या फिर नगर के अंदर इस तरह पाईप लाईन बिछाने का कार्य किया जाता है तो मजदूरों के माध्यम से खुदाई सड़क किनारे से कराते हुये कार्य को अंजाम दिया जाता है। क्योंकि जब मजदूरो द्वारा कार्य किया जाता है तो उसके समय अधिक लगता है और निर्माण कराने वाली कंपनी को पैसा भी अधिक होता है। इस तरह पैसों की बचत करने की सोच के चलते मशीनों से कार्य कराया जाता है तो मशीन सड़क के किनारे नही चल पाती है इसी के चलते सड़को के बीचों बीच खुदाई कर दी जाती है जिसके चलते नगर में सरकारी धन राशि खर्च करते हुये बनाई गई पक्की सड़को की बलि चढ़ने से नही बच पाती है।

इस तरह नगर में अंदर सड़को के बीचों बीच डाली गई लाईन के चलते सड़को की सुरक्षा जहां समाप्त ही दिखाई देने लगी है? क्योंकि जब भी जमीन के अंदर डाली गई इस लाईन में गड्बड़ी पैदा होगी तो उसके सुधार कार्य के लिये सड़को इस तरह खुदाई होना आम बात हो जावेगी और नगरवासियों को अच्छी सड़क की जगह थिगरा बाली सड़को के बीच जिन्दगी गुजारने की मजबूर बनी ही रहेगी वही दूसरी ओर बताया जाता है कि जब निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा सड़को के बीच बीच खुदाई की जाती है तो उन सड़को का सुधार कार्य करते हुये पूर्व के तहत बनाकर देने का जिम्मा भी होता है? मगर यहां पर तो नगर के सभी वार्डो में की गई खुदाई के बाद सड़को को जैसे का तैसा ही छोड़ देने से नगरवासी परेशान होते देखे जा रहे है तो दूसरी ओर जरा सा पानी आते ही सड़क कीचड से सराबोर होने से नही चूकती है।

पलोहा थाना प्रभारी ने गुड भट्टी मालिकों की बैठक लेते हुये दिये जरूरी निर्देश

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। हर साल देखा जाता है कि नबंवर माह से क्षेत्र में गुड़ बनाने का कार्य जोर पकड़ने लगता है तथा गन्ने की कटाई के लिये बाहर से भारी मात्रा में मजदूर लोग क्षेत्र में काम करने के लिये आते है। इस स्थिति में इस बात की जानकारी नही रहती है कि जो लोग क्षेत्र में काम करने के लिये आये हुये है उनका अपराधिक रिकार्ड किस तरह का है..? जिसके चलते अनेक आपराधिक प्रवृति के लोग क्षेत्र में अपराधिक घटनाओं को अंजाम देते हुये गायब हो जाते है। मगर इस बार पुलिस प्रशासन द्वारा काफी सतर्कता बरती जा रही है। इसी के चलते जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी थाना प्रभारियों को अपने अपने क्षेत्र में गन्ना का काम करने के लिये बाहर से आने वाले लोगों पर पैनी नजर रखने के लिये आदेशित किया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश का परिपालन करते हुये बीते हुये दिवस समीपस्थ पलोहा थाना प्रभारी अनिल भगत तथा तेंदूखेडा उप पुलिस अधीक्षक द्वारा पलोहा थाना क्षेत्र में संचालित होने वाली गुड भट्टियों के आलवा किसानों द्वारा बनाये जाने वाले गुड केन्द्रो से जुडे हुये किसानों की थाना प्रगांण में एक बैठक का आयोजन करते हुये जरूरी दिर्शा निर्देष दिये गये। इस दौरान गुड भट्टी संचालको के साथ गुड बनाने वाले तथा गन्ना कटाई का कार्य कराने वाले किसानों को आदेशित किया गया है के उनके द्वारा गन्ने का काम करने के लिये बाहर से बुलाई जाने वाली मजदूरों की आते ही संपूर्ण कागजों के साथ पुलिस थाने को सूचना देते हुये मुसाफरी दर्ज कराई जावे। यदि जांच के दौरान कोई भी गुड़ भट्टी पर बाहर का व्यक्ति बगैर पुलिस थाने में सूचना जानकारी का पाया जाता है तो गुड भट्टी संचालक के खिलाफ कार्यवाही की जावेगी। वही समझाया गया की कोई अपराधिक व्यक्ति बाहर से भट्टी में न आए तथा महिला संबंधी कोई अपराध न होने पाए साथ ही किसानों के किसी प्रकार से कोई ठगी न हो पाये इस बात का विशेष ध्यान रखा जावे।

बीएसी ने अवलोकन कर दिए निर्देश

गाडरवारा। शुक्रवार को जनपद शिक्षा केंद्र साईखेड़ा के बीएसी मनीराम मेहरा एवं पवन राजोरिया ने संयुक्त रूप से जनशिक्षा केंद्र साईंखेड़ा के अंतर्गत आने वाली शालाओं का अवलोकन कर आवश्यक निर्देश दिए। बताया जाता है कि उन्होंने एकीकृत शाला सिरसिरी, प्राथमिक शाला झिकोली, एकीकृत शासकीय हाईस्कूल निमावर, संजय नगर निमावर प्राथमिक शाला संदूक का अवलोकन कर 4 दिसंबर को होने वाले कक्षा 3 एवं 6 मे परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण की बेहतर तैयारी, स्विफ्ट चैट पर साप्ताहिक टेस्ट पूर्ण कराने, एफएलएन व एटग्रेड अभ्यास पुस्तिकाओं की जांच कर त्रुटियों पर गोला लगाने सहित एमडीएम उपस्थिति पोर्टल पर भरने के निर्देश दिए। इस अवसर पर स्कूलों के शिक्षक एवं छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में नेक टीम का हुआ आगमन

गाडरवारा। स्थानीय शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के निरीक्षण दल का आगमन हुआ। बताया जाता है कि इस दौरान प्रो. केशरी लाल वर्मा अध्यक्ष, डा. आदर्श पाल विज एवं डा. राजीव थॉमस शामिल थें। वही महाविद्यालय में नेक टीम आगमन पर जन भागीदारी समिति अध्यक्ष शैलेंद्र जैन, प्राचार्य डा. ए. के. जैन, आई क्यु ए सी प्रभारी प्रो. पी. एस. कौरव, मीडिया प्रभारी डा. सुनील शर्मा एवं समस्त स्टाफ ने जोरदार स्वागत किया। इसके उपरांत नेक टीम के सदस्यों द्वारा महाविद्यालय परिसर में मोलश्री के पौधे लगाए एवं सरस्वती पूजन किया। इसके बाद प्राचार्य डा .जैन ने महाविद्यालय की गतिविधियों एवं प्रस्तावित योजनाओं को पॉवर पॉइंट पर बतलाया, सभी विभागों के विभाग अध्यक्ष ने भी अपने अपने विभाग की उपलब्धियों से पॉवर पॉइंट पर अवगत कराया। इस टीम ने विज्ञान भवन का भ्रमण कर भौतिक शास्त्र, रसायन, वनस्पति एवं प्राणी शास्त्र विभाग की प्रयोग शालाओं का निरीक्षण किया गया। वही जनभागीदारी अध्यक्ष शैलेंद्र जैन से भी महाविद्यालय के विकास से जुड़ी योजनाओं पर चर्चा की, निरीक्षण के दौरान छात्र छात्राओं ,उनके पालकों एवं अलुमीनाइ के सदस्य हंसराज मालपानी , कौशलेंद्र श्रीवास्तव से चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि नेक टीम महाविद्यालय का दर्जा तय करेगी जिसके आधार पर महाविद्यालय के विकास एवं शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार हेतु यू जी सी का अनुदान मिलेगा।

भगवान सहस्त्रबाहु जयंती के मौके पर कल निकलेगी भव्य शोभा यात्रा, राष्ट्रीय संत सहित अन्य लोग होगे शामिल

गाडरवारा। कलचुरी कलार वंश के आराध्य भगवान श्री कार्तवीर्य सहस्त्रार्जुन जी का जन्म दिवस कार्तिक शुक्ल सप्तमी को मनाया जाता रहा है। इसी क्रम में बीते हुये दिवस स्थानीय कलचुरी कलार समाज द्वारा नगर के हृदय स्थल झंडा चौक तथा रेलवे स्टेशन पर भगवान श्री की पूजा अर्चना के साथ जयंती मनाई गई। इसके आलवा समाजिक बंधुओं द्वारा नगर शासकीय सिविल में मानव सेवा संघ की सहभागिता में पीड़ित मरीजों एवं परिजनों के लिए खिचड़ी का वितरण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कलचुरी कलार समाज के पदाधिकारी एवं बंधु उपस्थित रहे। साथ ही युवा मंडल जिलाध्यक्ष आशीष राय ने बताया कि जिलाध्यक्ष पंकज चौकसे एवं संयोजक किशोर राय के नेतृत्व में कल 10 नवम्बर को जिला स्तरीय जयंती समारोह का आयोजन सुखदेव भवन में निर्धारित है। जिसमें राष्ट्रीय संतो एवं राष्ट्रीय स्वजतीय समाजसेवी की उपस्थिति होने की संभावना है । वही निकाली जाने वाली विशाल शोभायात्रा स्थानीय पलोटन गंज से प्रारंभ होकर शक्ति चौक, झंडा चौक, पुरानी गल्ला मंडी होते हुए सुखदेव भवन में सम्पन्न होगी। वही शाम 6 बजे से मंचीय कार्यक्रम के साथ जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का भी आयोजन किया जाएगा। साथ ही नगर अध्यक्ष मनीष जायसवाल ने जिले के समस्त कलचुरी बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या शामिल होने की अपेक्षा व्यक्त की गई है।

लगभग चार साल पहले ग्राम झांझनखेड़ा में मिट्टी खुदाई के दौरान मिले हुये वर्षों पुराने सिक्के कहां हो गये गायब किसी को नहीं पता...?

गाडरवारा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि सैकड़ो वर्ष पहले क्षेत्र की भूमि पर अनेक राजाओं का साम्राज्य रहा है जिसके चलते जमीन के अंदर अनेक प्रकार की खनिज सहित संपदा छिपी हुई है और जब खुदाई के दौरान सैकड़ो वर्ष पुरानी कोई सामग्री मिलती है तो वह चर्चा का विषय बनने से नही चूक पाती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये लगभग चार वर्ष पहले जनपद पंचायत सांईखेड़ा अंतर्गत आने वाले ग्राम झांझनखेड़ा में भी देखने मिल मिली थी। जहां पर बताया जाता है कि ग्रामवासियों द्वारा गांव के समीप की गई मिट्टी की खुदाई के दौरान कुछ सैकड़ों वर्ष पुराने सिक्के मिलने के कारण यह खबर सोशल मीडिया पर वायरल होते ही जहां संपूर्ण क्षेत्र में चर्चा का विषय बनने से नही चूक पाई थी तो दूसरी ओर इन सिक्कों को देखने के लिये लोगों का ग्राम झांझनखेड़ा में पहुंचने के कारण हुजूम की स्थिति बन चुकी थी? वही दूसरी ओर इस तरह ग्राम झांझनखेड़ा में वर्षो पुराने सिक्के मिलने की जानकारी वायरल होते हुये अनेक जिम्मेदार अधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर स्थल का निरीक्षणस कराते हुये काफी लम्बे क्षेत्र में खुदाई कराई गई थी? वही लगभग दो साल पहले ग्राम झांझनखेड़ा में पाये गये वर्षो पुराने इन सिक्कों को लेकर पुरातत्व से तालुक रखने वाले कुछ लोगों को कहना था कि खुदाई में मिले यह सिक्के लगभग 300 से 400 वर्ष पुराने होने का अनुमान है जो मुगल शासन काल के बताये जा रहे थें? वही खुदाई में पाये गये सिक्कों उन सिक्कों सच्चाई क्या थी इस बात का जहां क्षेत्र के लोगों को कोई पता ही नही चल पाया है तो दूसरी ओर सबाल यह भी पैदा हो रहा है कि आखिरकार वह सिक्का कहा गायब हो गये? क्या प्रशासन द्वारा इन सिक्कों के संबंध में कोई जानकारी एकत्र करने का प्रयास नही किया गया था जिसके चलते क्षेत्रवासियों में आज भी उन सिक्कों की सच्चाई जानने के लिये उत्सुकता दिखाई दे रही है?

कामती राष्ट्रबंधु स्मारक के पास फैला हुआ अतिक्रमण बन रहा परेशानी का कारण

गाडरवारा। इस समय क्षेत्र के राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख माने जाने वाले गाडरवारा पिपरिया मार्ग की स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि जहां तहां निकल रहे गड्डे वाहन चालकों के लिये पेरशानी का कारण तो साबित होते हुये देखे जा रहे है, वही दूसरी ओर इस मार्ग पर आये दिन घटित होने वाली घटनाओं के चलते अनेक लोग अपने जिन्दगी भी गवा चुके है? क्योंकि जहां सड़क की स्थिति लगातार जर्जर होने के बाद भी इसके सुधार की ओर किसी के भी ध्यान नही दिया जा रहा है, वही दूसरी ओर इस मार्ग के किनारे पड़ने वाले गांवों में सड़क किनारे फैल रहे अतिक्रमण दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण साबित होने से नही चूक पा रहा है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय समीपस्थ ग्राम कामती में देखने मिल रही है, बताया जाता है कि इस मार्ग पर पढ़ने वाले ग्राम कामती के प्रमुख स्थल राष्ट्रबंधु स्मारक के पास जिस प्रकार से लोगों द्वारा अतिक्रमण करते हुये अपने दुकाने सजाई गई है उसके चलते वाहन चालकों से लेकर आम लोगों की जिन्दगी के लिये खतरा पैदा होने से नही चूक पा रहा है, क्योंकि यह स्थल इस प्रकार से माना जाता है।

खबर संक्षेप

जिला मुख्यालय के 42 ऑटो चालकों की हुई आकस्मिक चेकिंग

अनूपपुर। ट्रैफिक पुलिस द्वारा अनूपपुर शहर के बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन तिराहा, शंकर मंदिर चौराहा, इंदिरा तिराहा मे चेकिंग लगाकर ऑटो चालकों को ब्रेथ एनालाइजर से चेक किया गया, ऑटो के दस्तावेजों की भी चेकिंग की गई, कोई भी ऑटो चालक शराब के नशे में नहीं पाया गया। ऑटो चालकों को बताया गया कि क्षमता से अधिक सवारियां बिठाकर परिवहन ना करें, निर्धारित गति में ही वाहन चलाएं, सवारियों को ऑटो में बिठाने एवं उतारने में ऑटो के बाएं तरफ के दरवाजे का उपयोग करें। वाहन के दस्तावेज कंप्लीट रखें। ऑटो चलाते समय वर्दी पहने ताकि आपकी एक अलग पहचान सुनिश्चित हो सके। सवारियो से शालीनता के साथ व्यवहार करें। सवारी से मनमाना किराया ना लें, वाहन चलाते समय ब्रेकिंग डिस्टेंस का ध्यान रखें। आगे चल रहे वाहनों को सुरक्षित तरीके से दाहिने तरफ से ही ओवरटेक करें। स्वयं की एवं आपके साथ बैठ रहे आमजन की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें।

पटवारियों को विभिन्न लंबित प्रकरणों का 7 दिवस में निराकरण करने के निर्देश

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा है कि राजस्व के नामांतरण, बंटवारा, अ.जा./अ.ज.जा. वर्ग के जाति प्रमाण पत्र तथा पीएम किसान योजना के पात्र कृषकों के ई-केवाईसी संबंधी कार्यवाही प्राथमिकता के आधार पर 7 दिवस के अन्दर जिलेभर के हल्का पटवारियों द्वारा शत-प्रतिशत लंबित प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई ठेकेदार एसोसिएशन ने सौंपा 8 सूत्रीय ज्ञापन

चचाई। अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई के स्थानीय ठेकेदार संगठन कई वर्षों से गंभीर समस्याओं से जूझते आ रहे हैं। अंततः संगठन ने अपने 8 सूत्रीय समस्याओं को लेकर मुख्य अभियंता को ज्ञापन दे 15 दिवस के अंदर निराकरण निकालने की बात कही किंतु उनकी समस्याओं पर ध्यान न देने पर पावर प्लांट के मुख्य गेट पर उग्र आंदोलन धरना प्रदर्शन आमरण अनशन करने की बात संगठन द्वारा कही गई। चचाई के स्थानीय निविदाकारों की आवाज दबाने का नया तरीका तानाशाही प्रबंधन को दर्शाता है ठेकेदार संगठन की मुख्य मांगों में अनूपपुर जिले के आदिवासी क्षेत्र में स्थित चचाई पावर हाउस में कार्यरत ठेकेदार पिछले 5 वर्षों से बेरोजगार है क्योंकि 210 मेगावाट की एक यूनिट है जिससे यहां के लोगों का टर्नओवर बिल्कुल नहीं है और टर्नओवर के कारण बाहरी ठेकेदार काम ले रहे हैं जैसे भी व्यवस्था बने स्थानीय ठेकेदारों के काम की व्यवस्था बनाई जाए। मध्य प्रदेश राज्य विद्युत मंडल जबलपुर के सभी थर्मल एवं हाइडल पावर प्लांट में विगत 15 वर्षों से कार्यरत ठेकेदारों को वेंडर बनाया जाए एवं उन्हें वेंडर की निविदा स्वीकार की जाए और बाहरी ठेकेदारों की निविदा जो वेंडर नहीं है उन्हें अस्वीकार की जाए। खंडवा सारणी चचाई बिरसिंहपुर पाली सभी पावर स्टेशन का मुख्यालय शक्ति भवन जबलपुर होने के कारण सभी प्रकार के कार्य की निविदाओं का अनुमोदन जबलपुर से होता है और टर्नओवर के हिसाब से कार्य का आवंटन अलग-अलग पावर हाउस के लिए किया जाता है जिससे एक ही फॉर्म एक ही टर्नओवर से खंडवा सारणी बिरसिंहपुर एवं हाइडल पावर हाउस में एक ही वित्तीय वर्ष में कई काम पा जाते हैं जबकि कम टर्नओवर वाले ठेकेदार कार्य से वंचित रह जाते हैं इस कारण टर्नओवर के आधार पर एक वित्तीय वर्ष में एक फॉर्म को पहले एक कार्य का आवंटन सभी पावर हाउस को मिलकर किया जाना चाहिए फिर दूसरे कार्य के लिए दूसरी फॉर्म को इस तरह सभी फार्मो को कम से कम एक कार्य टर्नओवर से मिल जाएगा जिससे सभी ठेकेदार बेरोजगार ना हो और मंडल का कार्य भी चलता रहे। मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के ठेकेदार संगठन का यह ज्ञापन स्थानीय ठेकेदारों की समस्याओं और बेरोजगारी के संकट को उजागर करता है मुख्यमंत्री ऊर्जा मंत्री अध्यक्ष कोल विकास प्राधिकरण रामलाल रौतेल प्रमुख सचिव ऊर्जा प्रभारी मंत्री विधायक प्रबंध निदेशक शक्ति भवन जबलपुर जिला कलेक्टर आदि को सौपा गया। यह ज्ञापन सरकार के लिए एक संदेश है कि उसे स्थानीय निविदा कारों की स्थिति को गंभीरता से लेना होगा यदि ठेकेदारों की मांगों का समाधान नहीं किया गया तो मध्य प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में बेरोजगारी का संकट और गहरा हो सकता है।

निर्माण कार्यों की जगह अँधेरे की फोटो अपलोड कर सरपंच, सचिव कर रहे खेल..

निर्माण कार्यों की फोटो अपलोड करने के वजाय अंधेरे की फोटो अपलोड कर राशि निकाल रहे जिम्मेदार

केंद्र एवं राज्य सरकार की जवाबदेही, पारदर्शिता और गुणवत्ता की मंशा पर लगा रहे पलीता

डिंडौरी । जिला एवं जनपद पंचायत मुख्यालय डिंडौरी के नजदीकी ग्राम पंचायत डांड विदयपुर के सरपंच एवं सचिव के द्वारा अंधेरे की आड़ में केंद्र एवं राज्य सरकार की मंशा पर पानी फेर रहें हैं, विकास और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता तथा पारदर्शिता एवं जवाबदेही तय करते हुए सरकार द्वारा ग्राम पंचायतो के पोर्टल के माध्यम किए जाने व निर्माण कार्यों के जियो टैग के साथ ही कराये गए कार्यों की क्रमवार फोटो अपलोड करने की प्रक्रिया निर्धारित की गई हैं, लेकिन ग्राम पंचायतो के करिंदे खुलकर शासन के नियम निर्देशो की धज्जियाँ उड़ाते हुए मनमानी पर उतारू हैं।

निर्माण कार्यों के नाम पर अपलोड कर रहे अंधेरे की फोटो

ग्राम पंचायत डांडविदयपुर अंतर्गत 2021 से अब तक 14 वे वित्त एवं 15 वें वित्त से कराये गए निर्माण कार्यो के नाम पर कई फर्मो को मनमानी पूर्वक भुगतान किया गया है, स्वीकृत निर्माण कार्यो के स्थान पर अंधेरा का फोटो अपलोड किया गया है जिससे लोगो में भ्रम की स्थिति बनी हुई है कि बगैर काम कराये ही अंधेरे की आड़ में पंचायती कारिंदे अंधेरगर्दी कर रहे हैं।

कार्यालयीन, स्टेशनरी, फर्नीचर और अन्य व्यय के नाम पर बड़ा खेल

विगत दो वर्षो में ग्राम पंचायत सचिव द्वारा सरकार द्वारा निर्धारित प्रक्रिया को दरकिनार करते हुए कार्यालयीन ,स्टेशनरी, फर्नीचर समेत अन्य व्यय के नाम पर लगभग 11 लाख रुपये खुर्दबुर्द करने का मामला सामने है, स्टेशनरी दुकान संचालक को मुरुम का भुगतान तो कहि निर्माण सामग्री के नाम पर कम्प्यूटर दुकान संचालकों को भुगतान किया गया है। जब इस संबंधित में जानकारी के लिए सचिव मिलन सिंह धुर्वे से बात किया गया तो उन्होंने व्यस्तता का हवाला देते हुए जानकारी देने से इंकार कर दिया..? इस तरह की अनियमितता और मनमानी के मामले सामने आने के बाद निगरानी करने वाले उच्च अधिकारियों की भूमिका को लेकर भी कई तरह के सवाल खडे हो रहें हैं।

न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत ग्राम देवरी में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

डिंडौरी।

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देषन एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डिण्डौरी नीना आशापुरे, के मार्गदर्शन व सचिवध्जिला न्यायाधीश श्री शिव कुमार कौशल के निर्देशन में विधिक सेवा दिवस के उपलक्ष्य में 04.11.2024 से 09.11.2024 तक न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत जिला प्राधिकरणध्तहसील समिति के क्षेत्राधिकार अंतर्गत श्रमिक बस्तियों एवं ग्रामिण क्षेत्रां में पैरालीगल वार्लेटियर एवं पैनल अधिवक्ता की टीम का गठन करते हुये श्रमिकों एवं ग्रामीणजन को विधिक सेवा संस्था की कार्यप्रणाली एवं विभागीय योजनाओं का लाभ उठाने के संबंध में प्रक्रियात्मक जानकारी देकर उन्हें उनके विधिक अधिकारों का बोध कराने हेतु विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन 08.11.2024 को ग्राम पंचायत देवरा व देवरी में किया गया।आयोजित जागरूकता शिविर में तृतीय जिला न्यायाधीश श्री कमलेश कुमार सोनी ने व्यक्त किया कि हमें मजदूरों और श्रमिकों की उपलब्धियों का सम्मान करना और योगदान को याद करना है। इसके साथ ही मजदूरों के हक और अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करना और शोषण को रोकना है। साथ ही निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत तथा पीड़ित प्रतिकर योजना 2015 के बारे में जानकारी प्रदान की व श्रमिको के हितों के लिए शासन द्वारा चल रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। आयोजित शिविर में श्री यशवर्धन शुक्ला सहायक, श्री मालती नेताम पी.सी.ओ, रतनेश कुमार बर्मन, स्नेहलता सिहं उपसरपंच, दिगंबर सिहं चैहान सचिव, भगत लाल हाथेश्वर एवं अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केंद्र में पीएम कुसुम योजना पर कार्यशाला का आयोजन

डिंडौरी। जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्व विद्यालय के तहत कार्यरत कृषि विज्ञान केंद्र में सोलर ऊर्जा पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम डॉक्टर गीता सिंह के नेतृत्व में एवं डॉ पीएल अंबुलकर के मार्गदर्शन में हुआ। वरिष्ठ सलाहकार श्री संदीप नाइक ने योजना के संबंध में किसानों को सलाह दी। उक्त कार्यशाला में जिले के विभिन्न ग्रामों से कृषकों ने भागीदारी की। कृषकों ने सौर ऊर्जा,सोलर पंप, सौर ऊर्जा उत्पादन को लेकर अपनी सभी शंकाओं का समाधान भी प्राप्त किया। सभी को त्रैमासिक कृषि तकनीकी समाचार पत्रक प्रदान किया ताकि कृषक आगे भी संपर्क में बने रहें। उक्त कार्यशाला में केंद्र की रेणु पाठक, अवधेश कुमार पटेल, श्वेता मसराम, रवि अहिरवार एवं लोचन यादव ने प्रमुख रूप से भाग लिया।

पीएम कुसुम योजना

प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम कुसुम) योजना का मुख्य उद्देश्य किसानों को सौर ऊर्जा के माध्यम से विद्युत ऊर्जा प्रदान करना है, जिससे वे अपनी सिंचाई की जरूरतों को पूरा कर सकें और अपनी आय में वृद्धि कर सकें ।

योजना के तीन घटक हैं जिसमें 2 मेगावाट तक की क्षमता के लघु सौर विद्युत संयंत्रों की स्थापना के माध्यम

से 10,000 मेगावाट सौर क्षमता की वृद्धि करना, 20 लाख स्टैंड-अलोन सौर चालित कृषि पंपों की स्थापना करना, एवं 15 लाख ग्रिड संबद्ध कृषि पंपों का सौरीकरण करना ।यह योजना किसानों को सौर ऊर्जा के माध्यम से विद्युत ऊर्जा प्रदान करने में मदद करती है और उनकी आय में वृद्धि करने में सहयोग करती है, योजना पर्यावरण संरक्षण को भी प्रोत्साहित करती है।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में एपीसी बैठक का हुआ आयोजन

डिंडौरी

कलेक्टर हर्ष सिंह की अध्यक्षता में एपीसी बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग एवं सहकारिता विभाग के कार्यों की समीक्षा की गई। उक्त बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री अनिल कुमार राठौर, उपसंचालक कृषि सुश्री अभिलाषा चैरसिया, उपसंचालक पशुपालन श्री एचपी शुक्ला, एलडीएम श्री रविशंकर सिंह, सहायक संचालक मत्स्य विभाग श्री राकेश चंदेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कृषि विभाग की समीक्षा

कलेक्टर हर्ष सिंह ने खरीफ फसल 2024 एवं रबी फसल 2024-25 की तैयारी हेतु किए जा रहे कार्यों एवं कृषि विभाग के प्रचलित कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने उर्वरक व्यवस्था के तहत यूरिया, डीएपी, पोटाश, एनपीके उर्वरकों के वितरण, मांग एवं उपलब्धता की जानकारी ली एवं डीएपी के स्थान पर उपयोग किए जा रहे अन्य उर्वरक विकल्पों का विस्तृत चर्चा की। उन्होंने रबी फसल बोवनी चक्र, मृदा प्रोफाइल के अनुसार फसल उत्पादन, फसल चक्र, डबल लॉक केन्द्रों में उर्वरक उपलब्धता, सकल बोयाक्षेत्र, उर्वरक विक्रय प्रबधंन आदि की समीक्षा की। उन्होंने नरवाई जलाने से मुक्त ग्राम के लिए लक्ष्य एवं हैप्पीसीडरध्सुपरसीडर तकनीक के उपयोग और उपलब्धता, परंपरागत कृषि विकास योजना के तहत जैविक कृषि को प्रोत्साहित करने के लिए किए जा रहे कार्यों के संबंध में जानकारी लेंते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

सहकारिता विभाग की समीक्षा

सहकारिता समिति संचालन, सदस्यता, समितियों के पुर्नगठन, समितियों के बहुउद्देशीयकरण, कृषि उपार्जन एवं वितरण, जनऔषधी केन्द्र व्यवसाय, कामन सर्विस सेंटर आदि के संबंध में सहकारिता विभाग की समीक्षा की।

पशुपालन विभाग की समीक्षा

पशुपालन विभाग की समीक्षा करते हुए जिले के दुग्ध उत्पादन, मोबाइल वेटनरी योजना, पशु रोगों से संबंधित नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय पशुधन मिशन उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत मुर्गीपालन, बकरी पालन, पशु टीकाकरण एवं चरीचारा विकास की जानकारी ली। उन्होंने पशुपालन के क्षेत्र में किसान क्रेडिट कार्ड एवं आचार्य श्री विद्यासागर गो-संवर्धन योजना के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

उद्यानिकी विभाग की समीक्षा

जिले में फल, सब्जी, पुष्प, मसाला उत्पादन की समीक्षा की। उन्होंने उद्यानिकी विभाग को खाद्य प्रसंस्करण, लघु उद्योग, नवाचार करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जिले की भौगोलिक स्थितियों के अनुसार उद्यानिकी क्षेत्र में असीम संभावना है जिसके अनुसार कार्य योजना बनाकर उद्यानिकी क्षेत्र में उत्पादन वृद्धि करें।

मत्स्य विभाग की समीक्षा

कलेक्टर ने मत्स्य उत्पादन की समीक्षा की जिसमें बताया गया कि वर्तमान में प्रति व्यक्ति मत्स्य उपलब्धता 10 किलाग्राम है जिसे 12 किलोग्राम करने का कार्य किया जा रहा है। जिले में 45 सहकारी समितियां पंजीकृत हैं जिनके द्वारा मत्स्य पालन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने मछली पालकों के किसान क्रेडिट कार्ड के लक्ष्यों को पूरा करने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत की गई चालानी कार्यवाही

डिंडौरी। 08 नवबंर 2024 को राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत इन्फोसमेट स्कॉड टीम द्वारा कोप्टा एक्ट के अनुसार धारा 6 (अ) एवं (ब) एवं धारा 4 तहत स्कूलों से 300 मीटर एवं सार्वजनिक स्थलों में धूम्रपान करने वाले 8 व्यक्तियों पर 650 रूपये की चालानी कार्यवाही की गई। उक्त कार्यवाही में जिला नोडल अधिकारी राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण डॉ धर्मवीर मार्को एवं अन्य अधिकारी ६ कर्मचारी उपस्थित रहें। उन्होंने लोगों को धूम्रपान न करने के लिए समझाइश भी दी।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हुआ छठ महापर्व

अनूपपुर। कठिन तप एवं स्वच्छता तथा शुद्धता का प्रतीक माने जाने वाला छठ महापर्व नहाए खाय से शुरू होकर 60 घंटे के कठिन व्रत एवं उपासना के पश्चात उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हुआ यह छठ महापर्व सामतपुर अनूपपुर मढ़पा तलाब नगर सहित आस पास के क्षेत्र में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया जहां पर छठ महापर्व के नगर परिषद अनूपपुर द्वारा तालाबों एवं छठ मनाया जाने वाले स्थान का निरीक्षण कर छठ पूजा करने वाले भक्तों की सुविधा को देखते हुए साफ सफाई एवं अन्य सुविधा प्रदान की गई थी जहां छठ के प्रमुख दिन छठ उपासकों द्वारा अपने परिवार के साथ कांचे ही बांस की बहंगिया, छठ करब हो आदि लोकगीतों के साथ छठ घाट पर पहुंची वही कुछ उपासक दंडवत करते हुए तो कुछ अपनी मन्नत पूर्ण होने पर गाजे बजे के साथ छठ घाट पर पहुंची जहां डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ अपने-अपने घरों को चली गई तो कुछ उपासक पूरी रात छठ घाट पर ही पूजा अर्चना करते रहे वही पुनः अगले दिन सुबह छठ घाट पर पहुंचकर उगते सूर्य को अर्घ्य देकर हवन कर छठ महापर्व का समापन कर अपने अपने घर में जाकर पारना के साथ छठ व्रत तोड़ा ।

और भक्तजनों उनके उज्जवल भविष्य की कामना की जनप्रतिनिधियों ने छठ घाटों पर पहुंचकर पूजा अर्चना के साथ समस्त छठ उपासकों को बधाई प्रेषित की वही इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अनूपपुर कोतवाली थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ समस्त छठ घाट का सघन दौरा किया गया जहां यातायात सहित अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त कर किया गया जिससे उपासकों एवं उनके परिवार को कोई भी दिक्कत ना हो सके। इस अवसर पर क्षेत्र से छठ तलाब घाट पर भक्तों का भारी जनसैलाब उमडा, सभी लोगों ने एक दूसरे को छठ पर्व की शुभकामना देते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया। इस पर्व में भगवान सूर्य के साथ छठी माई की पूजा-उपासना विधि-विधान के साथ की जाती है। यह सबसे कठिन व्रतों में से एक माना जाता है। इस पर्व में आस्था रखने वाले लोग सालभर इसका इंतजार करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि छठ का व्रत संतान प्राप्ति की कामना, संतान की कुशलता, सुख-समृद्धि और उसकी दीर्घायु के लिए किया जाता है। समिति के संयोजक एडवोकेट अक्षयवट प्रसाद ने बताया कि 08 नवम्बर को सूर्योदय के साथ पूजा की समाप्ति पर समस्त उपस्थित श्रद्धालु एवं व्रत धारी माता और बहनों के द्वारा पारण करते हुए उपवास पूरा किए। शिव मारुति युवा संगठन के साथ साथ मढ़फा तालाब छठ पूजा समिति के द्वारा समस्त तैयारी मे महत्वपूर्ण योगदान देते हुए ऐतिहासिक छठ मैया के पूजा मे किसी प्रकार का समस्या उत्पन्न ना हो इस हेतु सुरक्षा की गई।

जमीनी विवाद को लेकर घर में घुसकर की हत्या, आरोपी को आजीवन कारावास

अपर सत्र न्यायाधीश ने सुनाया फैसला

राजेन्द्रग्राम। न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश पवन शंखवार राजेन्द्रग्राम की न्यायालय विशेष प्रकरण थाना अमरकंटक के अपराध की धारा 302 (हत्या) भादवि के आरोपी 29 वर्षीय अज्जू लाल बैगा पुत्र रत्तुच लाल बैगा निवासी जमुनादादर को धारा 302 भादवि में आजीवन कारावास एवं 2,000 रुपए के अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। पैरवी वरिष्ठ सहायक जिला अभियोजन अधिकारी नारेन्द्रदास महरा के द्वारा की गई।

यह था मामला

वरिष्ठ सहायक जिला अभियोजन अधिकारी ने बताया कि 03 मई 2022 को थाना अमरकंटक पुलिस को सूचना प्राप्तस हुई कि जमुनादादर में हत्या हो गई है। सूचना पर पुलिस मौंक में पहुंची पाया कि सुनसान जगह पर खेतों के बीचो-बीच नारायण सिंह धुर्वे का मकान बना हुआ है। जहां पर नारायण सिंह धुर्वे का शव उसके मकान के रसोई में रक्तप रंजित हालत मे पडा हुआ हैं। तथा कमरे में नमक फैला हुआ था। जिस पर जूते के निशान थे। सूचनाकर्ता पवन सिंह द्वारा बताया गया कि वह मृतक नारायण सिंह के धुर्वे पडोस में रहता है। नारायण सिंह धुर्वे दूध लेता था। प्रतिदिन सुबह 7-8 बजे के बीच मेरा लडका धरम सिंह दूध लेकर नारायण के घर गया था। बाहर से आवाज देने पर कोई उत्तर नही मिलने पर धरम सिंह रसोई में दूध रखने गया और घबराकर भागता हुआ आया और हमारे पास घबराने की स्थिति में गिर पडा बडी मुश्किल से बोल पाया कि मामा को मार डाला हैं, बहुत खून पडा हैं। तब रामचंद के साथ नारायण सिंह के घर की ओर भागा तो जाकर देखा कि नारायण सिंह की शव उसके घर में रसोई में पड़ी थी और खून फैला हुआ था और पूरे घर में नमक फैला हुआ था। सूचनाकर्ता की सूचना थाना राजेन्द्रघ्राम के अपराध की धारा 302 भादवि पंजीबद्ध की गई।

एसडीएम ने नेवसा में कार्यों का किया निरीक्षण

डिंडौरी

आज 8 नवंबर 2024 को एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन ने नेवसा में शासकीय आयुष औषधालय और उपस्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने केन्द्र द्वारा दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में संबंधितों को आवश्यक निर्देश दिए।एसडीएम देवांगन ने एकीकृत शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला नेवसा का निरीक्षण कर शिक्षक उपस्थिति, शिक्षा व्यवस्था, मध्यान्ह भोजन का निरीक्षण कर विद्यार्थियों से उनके मुद्दों और अध्ययन के संबंध में चर्चा की। उन्होंने मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम की गुणवत्ता और निर्धारित मीनु का निरीक्षण किया। और तत्संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

सुपर 5000 योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। म.प्र. भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार मण्डल द्वारा संचालित सुपर 5000 कक्षा 10वीं एवं सुपर 5000 एवं कक्षा 12वीं योजना के तहत माध्यमिक शिक्षा मण्डल से प्राप्त हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी परीक्षा (शैक्षणिक सत्र 2023-24) की मेरिट लिस्ट श्रम विभाग की पोटर्ल पर अपलोड कर दी गई है।

योजना का लाभ लेने के लिए पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के पुत्र एवं पुत्री संबंधित विद्यालय या जिला श्रम कार्यालय के माध्यम सूची में नाम देखकर, संइवनत.हवअ.पद पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, शनिवार 9 नवंबर 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

भगवान सहस्त्रबाहु जयंती श्रेया होटल में धूमधाम से मनाई गई

गोटेगांव। स्थानीय नगर के कलचुरी समाज द्वारा भगवान सहस्त्रबाहु की जन्म जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई कलचुरी समाज गोटेगांव के अध्यक्ष राजेंद्र राय की अध्यक्षता में एवं समाज के वरिष्ठ संरक्षक मंडल, महिला मंडल,युवा मंडल वर्तमान पदाधिकारीगणो की एवं नन्हे मुन्ने बच्चों की उपस्थिति में मनाई गई सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर भगवान सहस्त्रबाहु के तैल चित्र पर पूर्ण वैदिक मंत्रों के साथ पूजन अर्चन कर महाआरती एवं माल्यार्पण तिलक बंदन किया गया। वहीं अनेक वक्ताओं ने अपना उद्बोधन दिया मंच संचालन मनीष राय के द्वारा एवं आभार प्रदर्शन अमित राय के द्वारा किया गया अंत में प्रसाद वितरण एवं सुल्पाहार के पश्चात समाज के देवलोक वासी आत्माओं को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई और कल्चुरी समाज द्वारा श्रीधाम हॉस्पिटल व सरकारी अस्पताल में मरीजों को फल वितरित किए।इस अवसर पर कलचुरी समाज गोटेगांव अध्यक्ष राजेंद्र राय बद्रीप्रसाद चौकसे मानकलाल राय अरुण राय गोरेलाल राय वृंदावन राय शंकर राय मनोज राय रघुनाथ राय गुल्लनराय अमित राय मुकेश राय आशीष राय सुनील राय गोपचंद राय महेंद्र राय कपिल राय सुमित राय श्रीमती श्रद्धा चौकसे रजनी राय वर्षा राय सहित अन्य की उपस्थिति रही।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई सहस्त्रबाहु जी की जयंती

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन की जन्म जयंती कार्तिक शुक्ल सप्तमी को तेंदूखेड़ा में स्थित श्री दूल्हा देव दादा दरबार परिसर में कलचुरी समाज के द्वारा मनाई गई ।इस उपलक्ष में भगवान सहस्त्रबाहु जी की कथा विशेष पूजन अर्चन किया गया। जिसमें नगर के समस्त समाज जन सपरिवार उपस्थित रहे पूजन उपरांत प्रसाद वितरण किया गया। समाज का जिला स्तरीय कार्यक्रम 10 नवंबर को गाडरवारा में बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है जिसमें जिले भर की समाज जन उपस्थित रहेंगे ।इस कार्यक्रम में कलचुरी समाज समस्त वरिष्ठ जन नगर अध्यक्ष जिला कार्यकारिणी के सदस्य युवा प्रकोष्ठ के सदस्य महिला मंडल उपस्थित रहे। सभी के द्वारा 10 तारीख को गाडरवारा मैं होने वाली कार्यक्रम में सम्मिलित होने की अपील की है।

12 वाहन चालकों से वसूला जुर्माना

नियम विरूद्ध वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। पुलिस द्वारा जिले मे होने वाली सड़क दुर्घटना कमी लाने के लिये निरंतर प्रयास किये जा रहे है। यातायात व्यवस्था में सुधार हेतु पुलिस अधीक्षक, श्रीमति मृगाखी डेका के निर्देश पर जिले में चलाया जा रहा विशेष अभियान, अभियान के तहत दो पहिया वाहन में 3 सवारी बैठने वाले 12 चालकों एवं तेज आबाज सायलेंसर वाले 03 वाहनों के विरूद्ध की गयी चालानी कार्रवाई की गई। नगर मे तेज आवाज वाले कानफाडू सायलेंसर लगाकर नगर में धमचैकड़ी मचाने वालों पर भी कार्रवाई की गई।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई

जिला अंतर्गत संपूर्ण थाना क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था में सुधार लाने, नियम विरूद्ध एवं शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों के विरूद्ध चालानी कार्यवाही करना है ताकि आमजनों को असुविधा का सामना न करना पडे साथ ही जिले में होने वाली सडक दुर्घटनाओं में कमी लायी जा सके। संपूर्ण जिला अंतर्गत चलाए जा रहे अभियान के तहत विगत दिवस विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों द्वारा कार्यवाही करते हुए दो पहिया वाहन में 3 सवारी बैठाने वाले 12 चालकों के चालान काटे गए जिनसे 6 हजार रुपये समन शुल्क वसूल किया गया है। पुलिस द्वारा यातायात व्यवस्था में सुधार के लिये निरंतर कार्रवाई की जा रही है।

कान फाडू सायलेंसर वालों पर कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक श्रीमति मृगाखी डेका को लगातार बुलट मोटर सायकिल सवारों के द्वारा तेज साउड वाले एवं मॉडीफाई साइलेंसर लगवाकर धमा-चैकड़ी मचाये जाने की शिकायत मिल रही थी। शिकायते प्राप्त होने पर तेज साउड वाले एवं मॉडीफाई कान फाडुसाइलेंसर लगवाकर धमा-चैकड़ी मचाने वाले बुलट मोटर सायकिल चालकों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में विगत दिवस कान फाडू, तेज आबाज सायलेंसर वाले 3 वाहनों के विरूद्ध चालानी कार्यवाही की जाकर उनके सायलेंसर निकाले गये है एवं उनके विरूद्ध चालानी कार्यवाही कर 3 हजार रूपये समन शुल्क वसूल किया गया।

वाहन चालकों को दी समझाइश

जिले में यातायात व्यवस्था मे सुधार के लिये पुलिस द्वारा निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें पुलिस द्वारा वाहन चालकों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के तहत पुलिस टीमों द्वारा दो पहीया वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूकता हेतु समझाईस दी जा रही है साथ ही सुरक्षित वाहन चालन हेतु जागरूक किया जा रहा है। जिले में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर विराम लगाने के लिये पुलिस सक्रियता के साथ कार्रवाई की जा रही है। जिले के सार्वजनिक स्थानों एवं शैक्षणिक संस्थानों में जाकर विद्यार्थियों को भी जागरूक किया जा रहा है।

नाबालिग के साथ बलात्कार के आरोपी को आजीवन कारावास

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) श्रीमती रश्मिना चतुर्वेदी के न्यायालय द्वारा आरोपी सतीश नौरिया उम्र 37 वर्ष को धारा-5 (एफ) 5 (एम)/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम में आजीवन कारावास एवं 5000 हजार रुपये अर्थदंड तथा धारा 323 भा.दं.वि. में 1 वर्ष के सश्रम कारावास, 1000 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया साथ ही एक अन्य आरोपी गजानन चैधरी उम्र 50 वर्ष को धारा 21(2) लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम अभियुक्त को उसके विरोध में व्यतीत की गई अवधि अर्थात कारावास एवं 10,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया। अभियोत्री की मां द्वारा थाना करेली में उपस्थित होकर लिखित आवेदन इस आशय का दिया कि उसकी बड़ी बेटी उम्र 04 साल की है। उसने बताया कि स्कूल आरोपी द्वारा उसके साथ गलत हरकत की गई। महिला के लिखित आवेदन पत्र के आधार पर पुलिस थाना करेली, जिला नरसिंहपुर में धारा-376(1), 376एबी, 342, 506 भा.दं.वि. एवं धारा 3/4, 5 एम/6 पाक्सो एक्ट के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट लेखबद्ध करते हुए प्रकरण अनुसंधान में लेकर अभियोत्री के कथन लेखबद्ध कर उसका मुलाहिजा कराया जाकर अन्य साक्षीगणों के कथन उनके बताए अनुसार लेखबद्ध किये गये, घटना स्थल का नक्शा मौका तैयार कर अभियोक्त्री तथा उसके परिजन द्वारा घटना की जानकारी के संबंध में स्कूल के प्राचार्य को बताया, परंतु घटना की जानकारी होते हुये भी प्राचार्य द्वारा घटना की सूचना थाना पर न देने से धारा 21 पाक्सो अधिनियम का इजाफा कर अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर समस्त अनुसंधान पश्चात अभियोग पत्र इस न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। अभियोजन के द्वारा साक्षियों का परीक्षण कराया गया तत्पश्चात मौखिक तर्क प्रस्तुत किये गये जिनसे सहमत होते हुए न्यायालय द्वारा आरोपी सतीश नौरिया उम्र 37 वर्ष को धारा-5(एफ) 5(एम)/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम में आजीवन कारावास, जिसका तात्पर्य उसके शेष प्राकृत जीवन के लिये है एवं 5000 हजार रूपये अर्थदंड तथा धारा-323 भा.दं.वि. में 1 वर्ष के सश्रम कारावास, 1000- हजार रूपये अर्थदंड से दंडित किया गया साथ ही एक अन्य आरोपी गजानन चैधरी उम्र 50 वर्ष को धारा-21(2) लैंगिक अपराधों से बालकों का सरंक्षण अधिनियम अभियुक्त को उसके विरोध में व्यतीत की गई।

संगठन पर्व के तहत संपन्न हुई मंडल की कार्यशाला सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस भाजपा करकबेल मंडल की संगठन पर्व 2024 के तहत कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें मंडल के संगठन पर्व सहयोगी भाजपा जिला उपाध्यक्ष विनीत नेमा द्वारा प्रदेश व जिला नेतृत्व के दिशा निर्देश अनुरूप संगठन की निर्वाचन प्रक्रिया संबंधी विस्तृत रूपरेखा विस्तार से समझाते हुए विभिन्न श्रेणी के कार्यकर्ताओं का कार्य विभाजन कराया गया एवं संगठन द्वारा तय समय सीमा में कार्यपूर्ण करने के दिशा निर्देश दिये। जिसमें 12, 13, 14 नवंबर तक मंडल के समस्त शक्ति केन्द्रों की कार्यशालाए उनके संगठन पर्व सहयोगियों के प्रवास एवं तारीख, स्थान व समय तय किये गए। 14 से 20 नवंबर तक बूथ समिति पन्ना समिति गठन कर रजिस्टर सहित समस्त दस्तावेज कार्यालय में जमा कराने तक की प्रक्रिया से अवगत कराया गया । बूथ समिति में 11 सदस्य होगें जिनमें तीन महिलाएं व सामाजिक संरचना के आधार पर अनिवार्य प्रतिनिधित्व देने सहित एक बूथ अध्यक्ष, एक सचिव, एक लाभार्थी प्रभारी, एक सोशल मीडिया प्रमुख, एक सदस्य मन की बात प्रमुख

के रूप में सर्वसम्मति से तय होगा। इस प्रकार वैचारिक व सैद्धान्तिक मूल्यों पर आधारित सक्रिय बूथ समितियों का गठन सर्वसम्मति व पारदर्शिता के साथ करते हुये भाजपा संगठन को मजबूत करने पर लक्ष्य केन्द्रित ध्यान रखा जायेगा। इस अवसर पर भाजपा जिला मंत्री राजेश तिवारी ने भी अपने विचार रखे, पुराने सभी संगठनात्मक कार्यों का वृत्त मंडल अध्यक्ष राजकुमार गुमास्ता द्वारा रखा गया। कार्यशाला का संचालन मंडल महामंत्री प्रहलाद पटेल एवं आभार मंडल महामंत्री मुकेश ठाकुर द्वारा किया गया। कार्यशाला में धन्नूलाल जी पाठक, तखत सिंह पटेल, सरदार सिंह पटेल, तुलसीराम पाठक, मस्तराम पटेल, मौजी रजक, मूरत सिंह, बसंत पटेल, राजेन्द्र गुमास्ता, गिरीश पटेल, सुरेश गिरधोनिया, अमित पटेल, शिवकुमार, वीरेन्द्रे, हुकुम सिंह , राजेन्द्र सिंह, चन्द्रभान पाठक, भगवत सिंह, नबाव सिंह, कुलदीप सिंह एवं अपेक्षित श्रेणी के अनेक कार्यकर्ताओ की उपस्थिति रही।

शासकीय विद्यालय में लगाई गई विज्ञान प्रदर्शनी

तेंदूखेड़ा । शासन के निर्देशानुसार सभी शासकीय विद्यालयों में बच्चों में तार्किक ज्ञान को बढ़ाने के लिए प्राथमिक स्तर से लेकर माध्यमिक स्तर तक के बच्चों के ज्ञान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी के अंतर्गत बच्चों को स्वास्थ्य परिवहन एवं संचार प्राकृतिक खेती आपदा प्रबंधन गणितीय मॉडलिंग अपशिष्ट प्रबंधन संसाधन प्रबंधन आदि से संबंधित प्रदर्शनिया लगाई गई। जिसमें बच्चों ने प्रदर्शनी में भाग लिया। प्रदर्शनी में चयनित विद्यार्थियों को शाला स्तर से ब्लॉक स्तर पर भेजा जाएगा। इस अवसर पर संकुल प्राचार्य राजेश्वरी साहू वरिष्ठ शिक्षक गोठल सिंह पटेल के अलावा बड़ी संख्या में विद्यालय परिवार के शिक्षक एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

पानी की टंकी का निर्माण को लेकर वार्डवासियों ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । गत दिवस कामथ गोकुल नगर वासियों द्वारा कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा गया । ज्ञापन मे बताया गया है कि कॉलोनाइजर द्वारा निवासियों के सामाजिक, सांस्कृतिक, बच्चों व वृद्धजनों के मनोरंजन संबंधी गतिविधियों के लिये कालोनी में गाइडलाइन अनुसार खुली जगह लगभग 28000 वर्ग फीट का पार्क बनाया गया है। कालोनी में यह एकमात्र स्थान है जो कालोनीवासी 12-14 वर्षों से निरंतर बच्चे एवं वृद्धजन सभी इस पार्क में सुबह शाम की खुली हवा में मनोरंजन हेतु उपयोग करते आ रहे आते हैं। नगरपालिका परिषद द्वारा पार्क में पानी की टंकी का निर्माण कराने जा रही है जिसमें पार्क की लगभग 70 प्रतिशत जमीन जाने की संभावना है। इससे पार्क में जलभराव की संभावना भी है। इसके निर्माण से पार्क की मूल उपयोगिता समाप्त हो जायेगी एवं कालोनी बासी एक मूलभूत उपलब्ध सुविधा से वंचित हो जायगें। पानी की टंकी अन्य किसी स्थाना पर बनाई जायें। उक्त मौके पर बड़ी संख्या मे वार्ड वासी मौजूद रहे।

भारत भ्रमण पर निकले राजेश महानंद

तेंदूखेड़ा । आसाम प्रांत के तिनसुकिया जिले के निवासी राजेश महानंद शुक्रवार को तेन्दूखेड़ा पहुंचे। हमारे प्रतिनिधि से चर्चा करते हुए बताया कि 16 अक्टूबर 2022 को पैदल भारत भ्रमण पर निकले। दिसम्बर माह 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर अपनी यात्रा को विराम देंगे। महानंद ने बताया कि आसाम बंगाल बिहार, हरियाणा राजस्थान उत्तर प्रदेश मध्य प्रदेश के साथ ही विभिन्न राज्यों में स्थित तमाम धार्मिक स्थलों की यात्रा करते हुए वह तेन्दूखेड़ा जिला नरसिंहपुर पहुंचे। अपनी यात्रा का उद्देश्य बताया कि भारत की बागडोर एक शक्तिशाली प्रधानमंत्री के हाथों में होंगी। जो देश के संपूर्ण विकास के साथ ही सनातन परंपरा को पुर्नस्थापित करने में सक्षम होगा। उस दिन वह भारत भ्रमण पर निकलेंगे। उन्होंने अपनी यात्रा के दो प्रमुख बिंदुओं पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस तरह पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। उसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए लोगों को पेड़ पौधों को लगाने के लिए जागरूक करना होगा। वही पर्यावरण बचाओ को लेकर संदेश दिया साथ ही भारतीय सेना के प्रति लोगों में सम्मान की भावना हमेशा बनीं रहें। जिसका प्रचार प्रसार अपने पड़ाव के दौरान लोगों से मिलकर चर्चा करते चले आ रहे हैं। यात्रा के दौरान आसाम के मुख्यमंत्री हेमंत विस्सवा मनोज तिवारी रविकिशन अनुपम खेर उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक फिल्म अभिनेता सोनू सूद अनिल कपूर पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी गौतम गंभीर सहित तमाम वरिष्ठ जनों से उनकी मुलाकात हुई।

शुगर मिल संचालक अब करायेंगे पुलिस वेरीफिकेशन

गोटेगांव तहसील के ठेमी थाना क्षेत्र के गुड़ भट्टी मालिकों की मीटिंग आयोजित

गोटेगांव। शुगर मिल संचालक शुगर मिल में कार्य करने वाले प्रत्येक व्यक्ति, मजदूरों का थाने से पुलिस सत्यापन अनिवार्य रूप से करायेंगे एवं इसके लिए वे पुलिस थाने को संबंधित मजदूरों व संचालकों व अन्य व्यक्तियों के निवास व पहचान से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध करायेंगे। वे उनका रिकार्ड एक रजिस्टर में रखेंगे, उनके नाम, पता, मोबाइल नंबर, निवास स्थान, कार्यस्थल पर आने का दिनांक व कार्य स्थल छोड़कर जाने का दिनांक तथा अन्य आवश्यक प्रविष्टियां अनिवार्य रूप से दर्ज करेंगे।उल्लेखनीय है निकट समय में गुड़ भट्टियां एवं शुगर मिल प्रारंभ की जायेगी। इनमें कार्य करने के लिए अन्य जिले एवं प्रदेश के बाहर से भट्टियां संचालित करने मजदूर आते हैं। बाहरी व्यक्तियों के आवागमन एवं पतासाजी करने में कठिनाई होती है। पूर्व में देखा गया है कि बाहर से आने वाले भट्टी संचालक किसानों एवं मजदूरों का भुगतान किये बिना भाग जाते हैं। इससे किसानों द्वारा शिकायतें की जाती हैं एवं आंदोलन की स्थिति निर्मित होती है। ऐसे किसानों, जिनकी जमीनों पर गुड़ भट्टियां संचालित हो रही हैं, उनका यह उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाये कि वे बाहर से आने वाले संचालकों एवं मजदूरों के चरित्र सत्यापन के लिए उनका सम्पूर्ण विवरण लेकर पुलिस थाने में उपलब्ध करायें। बैठक में पुलिस एसडीओपी भावना मरावी, ठेमी थाना प्रभारी रत्नाकर हिंग्वे एवं शुगर मिल संचालक उपस्थित रहे।

मजिस्ट्रेट पहुंचे ग्राम कजंई, लोगों को किया जागरूक

गोटेगांव। नगर के स्थानीय सिविल कोर्ट माननीय सदस्य सचिव महोदय मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं माननीय सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरसिंहपुर (म.प्र.) के निर्देशानुसार न्यायालय की तहसील विधिक सेवा समिति, गोटेगांव द्वारा आज दिनांक 08.11.2024 को प्रातः 10 बजे ग्राम पंचायत कंजई में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।आयोजित शिविर में तहसील विधिक सेवा समिति गोटेगांव के अध्यक्ष / न्यायिक मजिस्ट्रेट माननीय श्री बॉबी सोनकर, कंजई ग्राम पंचायत के सचिव एवं सरपंच, न्यायालयीन कर्मचारीगण पैरालीगल वालेंटियर शाहिल मेहरा एवं ग्रामवासी,आदि उपस्थित रहें।आयोजित शिविर न्यायोत्सवः विधिक सेवा सप्ताह के तहत विधिक सेवा योजनाओं के प्रचार प्रसार एवं उक्त योजनाओं का लाभ लेने के संबंध में विहित प्रक्रिया की जानकारी तथा जनसामान्य तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करने एवं न्याय के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है साथ ही नशा पीड़ितों को विधिक सेवाऐं एवं नशा उन्मूलन के लिए विधिक सेवाएँ योजना, 2015 के बारे में जानकारी प्रदान की गई। नशे से व्यक्ति के पारिवारिक, सामिाजिक, एवं आर्थिक जीवन के दुष्परिणाम, आर्थिक बोझ, पारिवारिक समन्वयता के अभाव के बारे में बताया गया। किशोरों को नशे से मुक्त रहने के लिए जागरूक किया गया एवं किसी अन्य व्यक्ति को तम्बाखू का सेवन करते देखे जाने पर रोको-टोको की भी समझाईश दी गई।

यातायात नियमों का पालन ना करने पर पुलिस द्वारा की गई चालान कार्यवाही

गोटेगांव। नगर में विगत रात्रि विशेष अभियान के तहत शुक्रवार की शाम पुलिस टीम द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इसमें एक करीब 13 वाहनों का चालान काटते हुए यातायात नियमों का पाठ पढ़ाया गया। पुलिस टीम की सक्रियता से वाहन चालकों में हड़कंप मचा रहा, पुलिस थाना एसडीओपी भावना मरावी एवं थाना प्रभारी प्रदीप सराफ के नेतृत्व में बिना हेलमेट के मोटरसाइकिल चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई, जिसमें नियम विरुद्ध मोटरसाइकिल चलाने एवं तेज आवाज वाले साइलेंसर का इस्तेमाल करने वाले और मोटर साइकिल पर तीन सवारी बैठाने पर पुलिस ने कार्रवाई की। वहीं पुलिस थाना प्रभारी प्रदीप सराफ द्वारा यातायात नियमों के प्रति आमजनों को जागरुक किया जा रहा है साथ ही यातायात को बाधित करने वालों को समझाईस भी दी जा रही है।जहां 13 वाहनों के चालान काटे गए और उन से 5500 रुपए समन शुल्क बसूला गया।ज्ञात हो कि नवागत थाना प्रभारी प्रदीप सराफ द्वारा गोटेगांव पुलिस थाने की कमान संभालने के बाद ताबड़तोड़ कार्यवाही की जा रही है जिससे अपराधियों में हड़कंप की स्थिति देखी जा रही है।